ओशो इंटरनेशनल मेडिटेशन रिज़ॉर्ट
पृष्ठभूमि-प्रदाता

मीडिया संपर्क: अमृत साधना
प्रेस और मीडिया
sadhana@osho.net

+91-2066019940

द मैनेजमेंट टीम
ओशो इंटरनेशनल मेडिटेशन रिज़ॉर्ट
www.osho.com

ध्यान करने के लिए रूपये अदा करने की आवश्यकता पर बोलते हुए ओशो

"तुम अपने जीवन में हर चीज के लिए पैसे का भुगतान करते हो, तो परमात्मा के लिए क्यों नहीं? तुम परमात्मा को मुफ्त में क्यों चाहते हो?

"असल में, तुम परमात्मा को चाहते ही नहीं| तुम जो कुछ भी पाना चाहते हो उसके लिए पैसे भरने को तैयार हो; तुम जानते हो कि तुम्हें पैसे भरने होंगे| तुम ध्यान चाहते नहीं| अगर यह मुफ्त में दिया जाता हो, वह भी प्रसाद के साथ, तो तुम इसके बारे में विचार करोगे| तुम सिनेमा में जाने और पैसे भरने को तैयार हो; अपने ध्यान के लिए और अगर प्रवचन सुनना चाहते हो तो उसके लिए क्यों पैसे नहीं भरने चाहिए?...

"अगर तुम ध्यान करना चाहते हो, तुम उसके लिए पैसे अदा करो| और अगर तुम सच में ध्यान करना चाहते हो तो तुम अदा करने के लिए तैयार रहोगे; उसमें कोई ना-नुच नहीं होगी|"

द डिसिप्लिन आफ ट्रॉन्सेंडेंस, भाग 4, टाक #10 (अवेरनेस: सदैव सरल बातों से शुरू करो) से संक्षेपीकृत उद्धरण

इति